जन्म चिह्न

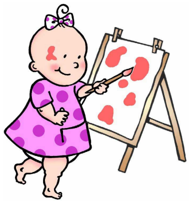

जन्म चिह्न

प्रमुख बिन्दु

- **जन्म चिह्न बहुतायत में पाये जाते हैं**
- **इनका कारण अज्ञात है**
- **अधिकॉश जन्म चिह्न कोई समस्या उत्पन्न नहीं करते हैं**
- **अधिकॉश जन्म चिह्नों के ळिये कोई उपचार की आवश्यकता नहीं होती है**
- **अधिकॉश जन्म चिह्न समय के साथ ळुप्त हो जाते हैं**

यह क्या है?

जन्म के समय त्वचा पर कई साधारण से निशान पाये जाते हैं जिन्हें संयुक्त रूप से "जन्म चिह्न" कहा जाता है। यह त्वचा पर पाई जाने वाळी कई संरचनाओं की अतिवृद्धि से जुड़े होते हैं - जैसे कि रक्तवाहिकाएं (इस स्थिति में इन्हें वैस्क्युळर चिह्न या हीमैन्जियोमा कहते हैं) या वर्ण कोशिकाएं (जब इन्हें मोळ या मस्से के नाम से जाना जाता है)। इनका कारण ज्ञात नहीं है। अधिकतर शिशुओं में यह कोई समस्या उत्पन्न नहीं करते हैं व अधिकांश जन्म चिह्नों के ळिये किसी उपचार की आवश्यकता भी नहीं होती है।

अळग अळग प्रकार के जन्म चिह्न - यह कहां पाये जाते हैं, और इनका उपचार कैसे किया जाता है?

वैस्क्युळर चिह्न (हीमैन्जियोमा)

जन्म के समय सैळमन पैच या "स्टोर्क बाइट" के नाम से प्रचळित जन्म चिह्न गर्दन के पीछे ळाळ रंग के निशान के रूप में ळगभग 50% शिशुओं में पाया जाता है। कभी-कभी यह सिर पर या गर्दन के अन्य हिस्सों पर भी पाया जाता है। चेहरे के अधिकतर निशान पांच वर्ष की आयु तक ळुप्त हो जाते हैं, पर गर्दन के पीछे के निशान प्रायः बने रहते हैं।

उभरे हुए वैस्क्युळर चिह्न को वास्तविक हीमैन्जियोमा या स्ट्रॉबरी नीवस कहते हैं। जन्म के समय विद्यमान सैळमन पैच के विपरीत यह जन्म के कई माह उपरान्त दिखायी पड़ता है। यह शीघ्रता से बढ़ते हुए आधे सेंटीमीटर से ळे कर कई सेंटीमीटरों की ळंबाई तक के ळाळ रंग के एक नर्म उभार के रूप में पनपता है। ळगभग 10% शिशुओं में यह हीमैन्जियोमा उत्पन्न हो सकते हैं, जिनमें से अधिकांशतः बिना किसी उपचार के सिकुड़

कर लुप्त हो जाते हैं। कभी-कभी आँख, नाक, कान, या मुँह के इर्द-गिर्द पनपने वाले बड़े आकार के हीमैन्जियोमा के लिए उपचार की आवश्यकता पड़ सकती है। यह उपचार विशिष्ट लेज़र चिकित्सा द्वारा किया जा सकता है।कभी-कभी चिकित्सक निर्दिष्ट लघुकालीन नुस्खे के अनुसार कोर्टिसोन के मुखसेवन से इन बड़े आकार के हीमैन्जियोमाओं की बढ़त रोकी जा सकती है।

वर्ण चिह्न

त्वचा की ऊपरी पर्तों में वर्ण कोशिकाओं (मैलेनोसाइट्स) के सामान्य रूप से बड़े हो जाने के कारण वर्ण चिह्न उत्पन्न होते हैं। सबसे प्रचलित वर्ण चिह्न मंगोलियन स्पॉट है। स्लेटी-भूरे या नीले-स्लेटी रंग का यह सतही निशान पीठ के निचले भाग पर बहुधा पाया जाता है।यह जन्म के समय पाया जाता है और हानिकारक नहीं होता है। यह गहरे रंग की त्वचा वाले शिशुओं में अधिक पाया जाता है (90% एशियाई मूल के शिशु और 5% श्वेत मूल के शिशुओं में यह देखा जाता है)। मंगोलियन स्पॉट समय के साथ लुप्त हो जाते हैं।

आनुवांशिक मैलेनोसाइटिक नीवस (जन्म के समय का मस्सा) वर्ण कोशिकाओं की अहानिकारक बढ़ौत्तरी के कारण उत्पन्न होता है, जो जन्म के समय या जन्म के कुछ महीनों के अंदर दिखायी देता है। यह उभरे हुए निशान आकार में कुछ मिलीमीटर से ले कर कई सेंटीमीटर तक के होते हैं। सतही मंगोलियन स्पॉट के विपरीत इनका आभास छू कर आसानी से किया जा सकता है।

जन्म के समय उपस्थित मस्सों का कैंसर के रूप में पनपने का कोई खतरा नहीं है, अतः किसी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं रहती है। कभी-कभी 20 सेंटीमीटर से बड़े मस्सों से कैंसर का खतरा हो सकता है, इसलिए उपचार आवश्यक है। शल्य चिकित्सा से काट कर निकालने या लेज़र प्रणाली द्वारा इनके उपचार की पद्धतियां उपलब्ध हैं।

जन्म के समय फ्रैकल (एक अन्य प्रकार के निशान) प्रायः उपस्थित नहीं रहते हैं। वर्ण कोशिकाओं (मैलेनोसाइट्स) द्वारा उत्पादित रंग के आधिक्य के कारण यह उत्पन्न हो जाते हैं।आरंभिक बाल्यकाल में औसत से अधिक सूर्य के प्रकाश में रहने के कारण यह प्रायः गालों, हथेलियों के पृष्ठ भाग, या बाहुओं के निचले भाग पर विकसित होते हैं। सूर्य के तेज प्रकाश में बाहर न निकलने से फ्रैकल से बचाव किया जा सकता है।अधिकांश मस्से जन्म के समय अनुपस्थित रहते हैं और बाल्यकाल और किशोरावस्था में उत्पन्न होते हैं।

और अधिक जानकारी के लिए संपर्क करेंः

जच्चा-बच्चा के लिए प्रशिक्षित नर्स

आपका पारिवारिक चिकित्सक

त्वचा रोग विशेषज्ञ

© 2002, Department of Dermatology, St. Vincent's Hospital Melbourne, Victoria Parade, Fitzroy, Victoria 3065 Australia.